

वृक्ष के पाँच अंग, जड़, छाल, पत्ते, फूल और फल 4. तांत्रिक उपासना के पाँच अंग, कवच, स्तोत्र, पद्धति पटल और सहस्रनाम 5. तंत्र विद्या के अनुसार पाँच कर्म; जप, होम, तर्पण, अभिषेक तथा विप्रभोजन 6. ज्योतिष के अनुसार वह तिथि पत्र जिसमें किसी संवत् के मुख्य रूप से वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण, इन पाँच का विवरण देते हुए वर्णन हो; आम भाषा में 'पत्रा' 7. राजनीति के पांच अंग- सहाय, साधन, उपाय, देशकाल भेद तथा विपत् प्रतीकार व विपत्ति का निरूपण 8. एक ऐसा घोड़ा जिसके पाँचों अंगों माथा और चारों पैरों पर सफेद चिह्न हों 9. कछुआ (कच्छप)।

पंचांगिक वि. (तत्.) पाँचों अंगों वाला।

पंचांगुल वि. (तत्.) 1. पाँच अँगुलियों वाला 2. जो पाँच अंगुल लंबा हो 3. अंडी का वृक्ष 4. तेज पत्र 5. भूसा बटोरने का ऐसा उपकरण जिसे "पाँचा" भी कहा जाता है।

पंचांगुली स्त्री. (तत्.) तक्राहवा नामक पांच पत्तों वाला क्षुप (छोटा वृक्ष)।

पंचांश पुं. (तत्.) पाँचवाँ हिस्सा (भाग)।

पंचाक्षर वि. (तत्.) पाँच अक्षरों वाला पुं. (तत्.) एक छंद, शिव (अराधना) का पाँच अक्षरों वाला मंत्र, 'ॐ नमः शिवाय'।

पंचाग्नि स्त्री. (तत्.) 1. पाँच प्रकार की अग्नियाँ 2. शरीर में मानी गई पाँच अग्नियाँ, अन्वाहार्य पचन, गार्हपत्य, आहवनीय, सभ्य और आवसथ्य 2. उपनिषद के अनुसार, स्वर्ग, पर्जन्य, पृथ्वी, पुरुष और पोषित 3. चारों ओर जलती हुई चार अग्नियों तथा ऊपर से सूर्य के ताप का सेवन करने का ग्रीष्म=ऋतु में किया जाने वाला एक तप 4. चीता, चिचड़ी, भिलावाँ, गंधक और मदार-ये बहुत गरम तासीर वाली पाँच औषधियाँ। वि. आहवनीय आदि पाँच अग्नियों का आधान करने वाला।

पंचाज पुं. (तत्.) अजा (बकरी) से प्राप्त होने वाले पाँच पदार्थ, दूध, दही, घी, पुरीष और मूत्र।

पंचाट पुं. (तत्.) पंचों का निर्णय, माध्यस्थ विधि, विवाचन।

पंचातप पुं. (तत्.) चारों ओर अग्नि जलाकर ग्रीष्म ऋतु में तप करना, पंचाग्नि तप।

पंचानन पुं. (तत्.) 1. शिव 2. शेर 3. सिंह राशि 4. पंचमुखी रुद्राक्ष; वि. (तत्.) पाँच मुखों वाला, चौड़े मुँह वाला।

पंचाननी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. शेरनी, सिंहनी, (मादा सिंह)।

पंचानवे वि. (तत्.) 1. नब्बे से पाँच अधिक 2. पंचानवे (95) की संख्या।

पंचाप्सर पुं. (तत्.) पंचा नामक वह सरोवर जहाँ शतकर्णि मुनि की तपस्या भंग करने वाली पाँच अप्सराओं का वास था। रामायण, पुराणों आदि ग्रंथों में भी इस सरोवर तथा शतकर्णि मुनि का उल्लेख मिलता है।

पंचामरा स्त्री. (तत्.) आयुर्वेद के अनुसार बताई गई पाँच औषधियाँ, दूर्वा, विजया, बिल्वपत्र, निर्गुडी तथा काली तुलसी।

पंचामृत वि. (तत्.) 1. पाँच प्रकार के पदार्थों के मिश्रण से बना हुआ पुं. 1. पाँच द्रव्यों, दूध, दही, घृत, चीनी और मधु से बनी हुई वस्तु। पूजा के समय इसी से देवताओं को स्नान कराया जाता है तथा बाद में चरणामृत के रूप में बाँटा भी जाता है 2. आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में उल्लिखित पाँच गुणकारी औषधियाँ, गिलोय, गोखरू, मुसली, गोरखमुंडी तथा शतावरी का मिश्रण भी पंचामृत कहलाता है।

पंचाम्ल पुं. (तत्.) आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में उल्लिखित पाँच खट्टे पदार्थ (अम्ल) अनार, बेर, अम्लबेत, चूक और बिजौरा।

पंचायत स्त्री. (तत्.) पंचों की सभा या मंडली; जनता द्वारा चुने गए पाँच प्रतिनिधियों का समूह जो जनता के विवाद सुलझाने में सहायता करता है।